चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	18-10-22	09	5-8

एचएयू एबिक की पहल व सफल कार्यक्रम की अंतिम तिथि बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर ने छात्रों, उद्यमी वर्ग तथा किसानों से बिजनेस आइडिया मांगे हैं जो उनको कृषि व्यवसायी बनाने में अहम रोल अदा कर सकता है। एबिक ने पहल व सफल में आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर तक बढ़ा दी है। इसके लिए उम्मीदवार हकृवि की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। एबिक के प्रिंसीपल इनवेस्टीगेटर डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से विद्यार्थी, बेरोजगार युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में

हिसार। हकृवि स्थित एबिक का फाइल फोटो।

अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि इच्छुकउम्मीदवार के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का यह सुनहारा अवसर है, जिसे पहल तथा सफल में आवेदन करके 25 लाख रुपये तक की ग्रांट तथा दो महीने के प्रशिक्षण का लाभ उठाया जा सकता है।

आवेदन से पहले रखें विशेष ध्यान

आवेदन की प्रक्रिया निःशुल्क होगी। आवेदन करने वाला प्रदेश या फिर निकटवर्ती राज्य का होना जरूरी है, जो हरियाणा में आकर अपना व्यवसाय स्थापित करने का इच्छुक हो। इसके अलावा आवेदन करने वाले का मुख्य आइडिया एग्री बॉयोटैक, बागवानी, जैविक खेती, पशुपालन, मत्स्यपालन, सूक्ष्म सिंचाई, कृषि अभियांत्रिकी, खेती मशीनीकरण, कम खर्च में अधिक उत्पादन, आपूर्ति श्रृखंला प्रबंधन, कटाई तथा उसके बाद की प्रक्रिया, खाद्य प्रक्रिया एवं मूल्य संवर्धन, कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आदि का विशेष ध्यान रखना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	18-10-22	03	1-3

युवाओं, उद्यमी व किसानों के लिए सुनहरा अवसर

एक आइडिया आपको दिला सकता है 25 लाख की ग्रांट

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थापित एबिक सेंटर ने छात्रों, उद्यमी व किसानों से बिजनेस आइडिया मांगे हैं जो उनको कृषि व्यवसायी बनाने में अहम रोल अदा कर सकता है। अब एबिक ने पहल व सफल में आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2022 तक बढ़ा दी है। इसके लिए उम्मीदवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व एबिक की वेबसाइट www.hau.ac.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

एबिक के प्रिंसीपल इनवेस्टीगेटर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस सेंटर के माध्यम से विद्यार्थी, बेरोजगार युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि इच्छुक उम्मीदवार के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का यह एक सुनहरा अवसर है, जिससे पहल व सफल में आवेदन करके 25 लाख तक की ग्रांट व दो माह के प्रशिक्षण का लाभ उठाया जा सकता है।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

आवेदन की प्रक्रिया नि:शुल्क होगी। आवेदन करने वाला व्यक्ति हरियाणा या फिर निकटवर्ती राज्य का होना जरूरी है, जो हरियाणा में आकर अपना व्यवसाय स्थापित करने का इच्छुक हो। इसके अलावा आवेदन करने वाले का मुख्य आइडिया एग्री बॉयोटैक, बागवानी, जैविक खेती, पशुपालन, मत्स्य पालन, सूक्ष्म सिंचाई, कृषि अभियांत्रिकी, खेती मशीनीकरण, कम खर्च में अधिक उत्पादन, आपूर्ति श्रृखला प्रबंधन, कटाई व कटाई के बाद की प्रक्रिया, खाद्य प्रक्रिया एवं मूल्य संवर्धन, कृषि में कृत्रिम बुद्धिमता इत्यादि का विशेष ध्यान रखना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	18-10-22	05	1-2

विश्वविद्यालय स्थित एबिक का फाइल फोटो।

एचएयू स्थित एबिक ने पहल व सफल कार्यक्रम की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर तक बढ़ाई

हिसार, 17 अक्तूबर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर ने छात्रों, उद्यमी व किसानों से बिजनेस आइडिया मांगे हैं जो उनको कृषि व्यवसायी बनाने में अहम रोल अदा कर सकता है। अब एबिक ने पहल व सफल में आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर 2022 तक बढ़ा दी है। इसके लिए उम्मीदवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व एबिक की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। यह जानकारी देते हुए एबिक के प्रिंसीपल इनवेस्टीगेटर डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से विद्यार्थी, बेरोजगार युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि इच्छूक उम्मीदवार के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का यह एक सुनहारा अवसर है, जिसे पहल व सफल में आवेदन करके 25 लाख रूपए तक की ग्रांट व दो महीने के प्रशिक्षण का लाभ उठाया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	18-10-22	05	7-8

एचएयू स्थित एबिक ने पहल व सफल में आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक बढ़ाई

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर ने छात्रों, उद्यमी व किसानों से बिजनेस आइडिया मांगे हैं जो उनको कृषि व्यवसायी बनाने में अहम रोल अदा कर सकता है। अब एबिक ने पहल व सफल में आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। इसके लिए उम्मीदवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व एबिक की वेबसाइट www.hau.ac.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

एबिक के प्रिंसिपल इनवेस्टीगेटर डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि सेंटर के माध्यम से विद्यार्थी, बेरोजगार युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इच्छुक उम्मीदवार के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का यह एक सुनहरा अवसर है, जिसे पहल व सफल में आवेदन करके 25 लाख रूपए तक की ग्रांट व दो महीने के प्रशिक्षण का लाभ उठाया जा सकता है।

आवेदन करने से पहले इन बातों का रखें विशेष ध्यान

आवेदन की प्रक्रिया निःशुल्क होगी। आवेदन करने वाला प्रदेश या फिर निकटवर्ती राज्य का होना जरूरी है, जो हरियाणा में आकर अपना व्यवसाय स्थापित करने का इच्छुक हो। इसके अलावा आवेदन करने वाले का मुख्य आइडिया एग्री बॉयोटेक, बागवानी, जैविक खेती, पशुपालन, मत्स्य पालन, सूक्ष्म सिंचाई, कृषि अभियांत्रिकी, खेती मशीनीकरण, कम खर्च में अधिक उत्पादन, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन, कटाई व कटाई के बाद की प्रक्रिया, खाद्य प्रक्रिया एवं मूल्य संवर्धन, कृषि में कृत्रिम बुद्धिमता इत्यादि का विशेष ध्यान रखना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	18-10-22	04	06

एबिक ने पहल व सफल कार्यक्रम की अंतिम तिथि 31 तक बढ़ाई

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर ने छात्रों, उद्यमी व किसानों से बिजनेस आइडिया मांगे हैं जो उनको कृषि व्यवसायी बनाने में अहम रोल अदा कर सकता है। अब एबिक ने पहल व सफल में आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। इसके लिए उम्मीदवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व एबिक की वेबसाइट www.hau.ac.in पर आनलाइन आवेदन करना होगा। एबिक के प्रिंसीपल इनवेस्टीगेटर डा. राजेश गेरा ने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से विद्यार्थी, बेरोजगार युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि उम्मीदवार के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का यह एक सुनहारा अवसर है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	18-10-22	06	01

एक आइडिया दिला सकता है 25 लाख रुपए की ग्रांट, आवेदन की तारीख 31 तक बढ़ाई

हिसार, 17 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर ने छात्रों, उद्यमी व किसानों से बिजनेस आइडिया मांगे हैं जो उनको कृषि व्यवसायी बनाने में अहम रोल अदा कर सकता है। अब एबिक ने पहल व सफल में आवेदन करने की अंतिम तिथि 31अक्तूबर तक बढ़ा दी है। इसके लिए उम्मीदवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व एबिक की वैबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

एबिक के प्रिंसीपल इनवेस्टीगेटर डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि इस सैंटर के माध्यम से विद्यार्थी, बेरोजगार युवा, किसान व उद्यमी मार्कीटिंग, नैटवर्किंग, लाइसैंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फॉडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि इच्छुक उम्मीदवार के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का यह एक सुनहारा अवसर है, जिसे पहल व सफल में आवेदन करके 25 लाख रूपए तक की ग्रांट व दो महीने के प्रशिक्षण का लाभ उठाया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	18-10-22	04	06

एक आइडिया दिलाएगा 25 लाख की ग्रांट, 31 तक करें आवेदन

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में स्थापित एबिक सेंटर ने विद्यार्थियों उद्यमियों व किसानों से बिजनेस आइडिया मांगे हैं। एबिक के पहल व सफल में आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर तक बढ़ा दी है। उम्मीदवार को एचएयू व एबिक की वेबसाइट www.hau.ac.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

एबिक के प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि सेंटर के माध्यम से विद्यार्थी, बेरोजगार युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। उम्मीदवारों के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का यह एक सुनहरा अवसर है। पहल व सफल में आवेदन करके 25 लाख रुपये तक की ग्रांट व दो महीने के प्रशिक्षण का लाभ उठाया जा सकता है। आवेदन की प्रक्रिया निशुल्क होगी। मुख्य आइडिया एग्री बायोटैक, बागवानी, जैविक खेती, पशुपालन, मत्स्य पालन, सूक्ष्म सिंचाई, कृषि अभियांत्रिकी, खेती मशीनीकरण, कम खर्च में अधिक उत्पादन, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन होगा। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	18-10-22	08	7-8

उत्तम आइडिया लाएं, 25 लाख की ग्रांट पाएं

हिसार (निस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर ने छात्रों, उद्यमी व किसानों से बिजनेस आइडिया मांगे हैं, जो उनको कृषि व्यवसायी बनाने में अहम रोल अदा कर सकता है। एबिक ने पहल व सफल में आवेदन करने की तिथि को 31 अक्तूबर तक कर दिया है। एबिक के प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर डॉ. राजेश गेरा ने बताया इसके लिए उम्मीदवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व एबिक की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूडॉटएचएयूडॉटएसीडॉटइन पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। उन्होंने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से विद्यार्थी, बेरोजगार युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि इच्छुक उम्मीदवार के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का यह एक सुनहरा अवसर है, जिसे पहल व सफल में आवेदन करके 25 लाख रुपए तक की ग्रांट व दो महीने के प्रशिक्षण का लाभ उठाया जा सकता है। आवेदन करने वाला प्रदेश या फिर निकटवर्ती राज्य का होना जरूरी है, जो हरियाणा में आकर अपना व्यवसाय स्थापित करने का इच्छुक हो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	17.10.22	----	----

एक आइडिया आपको दिला सकता है 25 लाख रुपये की ग्रांट

एचएयू स्थित एबिक ने पहल व सफल कार्यक्रम की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक बढ़ाई

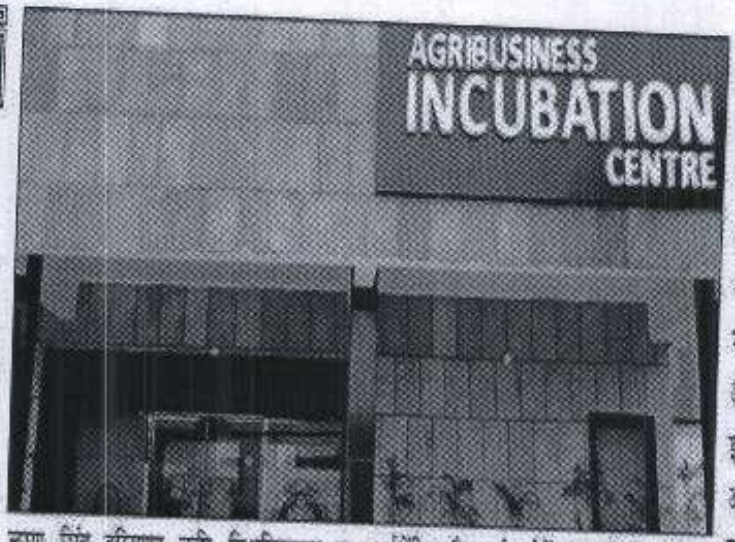

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर ने छात्रों, उद्यमी व किसानों से बिजनेस आइडिया मांगे हैं जो उनको कृषि व्यवसायी बनाने में अहम रोल अदा कर सकता है। अब एबिक ने पहल व सफल में आवेदन करने की अंतिम तिथि 31अक्तूबर 2022 तक बढ़ा दी है। इसके लिए उम्मीदवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व एबिक की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। यह जानकारी देते हुए एबिक के प्रिंसीपल इनवेस्टीगेटर डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से विद्यार्थी, बेरोजगार युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फौंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते है। उन्होंने बताया कि इच्छुक उम्मीदवार के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का यह एक सुनहरा अवसर है, जिसे पहल व सफल में आवेदन करके 25 लाख रुपए तक की ग्रांट व दो महीने के प्रशिक्षण का लाभ उठाया जा सकता है। आवेदन से पहले इन बातों का रखें विशेष ध्यान आवेदन की प्रक्रिया निःशुल्क होगी। आवेदन करने वाला प्रदेश या फिर निकटवर्ती राज्य का होना जरूरी है, जो हरियाणा में आकर अपना व्यवसाय स्थापित करने का इच्छुक हो। इसके अलावा आवेदन करने वाले का मुख्य आइडिया एग्रो बॉयोटैक, बागवानी, जैविक खेती, पशुपालन, मत्स्य पालन, सूक्ष्म सिंचाई, कृषि अभियांत्रिकी, खेती मशीनीकरण, कम खर्च में अधिक उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, कटाई व कटाई के बाद की प्रक्रिया, खाद्य प्रक्रिया एवं मूल्य संवर्धन, कृषि में कृत्रिम बुद्धिमता इत्यादि का विशेष ध्यान रखना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	17.10.22	----	----

एचएयू स्थित एबिक ने पहल व सफल कार्यक्रम की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर तक बढ़ाई

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर ने छात्रों, उद्यमी व किसानों से बिजनेस आइडिया मांगे हैं जो उनको कृषि व्यवसायी बनाने में अहम रोल अदा कर सकता है। अब एबिक ने पहल व सफल में आवेदन करने की अंतिम तिथि 31अक्तूबर 2022 तक बढ़ा दी है। इसके लिए उम्मीदवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व एबिक की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। यह जानकारी देते हुए एबिक के प्रिंसीपल इनवेस्टीगेटर डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से विद्यार्थी, बेरोजगार युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि इच्छूक उम्मीदवार के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का यह एक सुनहारा अवसर है, जिसे पहल व सफल में आवेदन करके 25 लाख

हरियाणा प्रदेश के युवा, उद्यमी व किसानों के लिए सुनहरा अवसर, एक आइडिया दिला सकता है 25 लाख रु. की ग्रांट

रूपए तक की ग्रांट व दो महीने के प्रशिक्षण का लाभ उठाया जा सकता है।

आवेदन से पहले इन बातों का रखें विशेष ध्यान

आवेदन की प्रक्रिया निःशुल्क होगी। आवेदन करने वाला प्रदेश या फिर निकटवर्ती राज्य का होना जरूरी है, जो हरियाणा में आकर अपना व्यवसाय स्थापित करने का इच्छूक हो। इसके अलावा आवेदन करने वाले का मुख्य आइडिया एग्री बॉयोटैक, बागवानी, जैविक खेती, पशुपालन, मत्स्य पालन, सूक्ष्म सिंचाई, कृषि अभियांत्रिकी, खेती मशीनीकरण, कम खर्च में अधिक उत्पादन, आपूर्ति श्रृखंला प्रबंधन, कटाई व कटाई के बाद की प्रक्रिया, खाद्य प्रक्रिया एवं मूल्य संवर्धन, कृषि में कृत्रिम बुद्धिमता इत्यादि का विशेष ध्यान रखना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	17.10.22	----	----

एचएयू स्थित एबिक ने पहल व सफल कार्यक्रम की तिथि 31 तक बढ़ाई

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर ने छात्रों, उद्यमी व किसानों से बिजनेस आइडिया मांगे हैं जो उनको कृषि व्यवसायी बनाने में अहम रोल अदा कर सकता है। अब एबिक ने पहल व सफल में आवेदन करने की अंतिम तिथि 31अक्तूबर 2022 तक बढ़ा दी है। एबिक के प्रिंसीपल इनवेस्टीगेटर डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से विद्यार्थी, बेरोजगार युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि उम्मीदवार के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का यह एक सुनहारा अवसर है, जिसे पहल व सफल में आवेदन करके 25 लाख रूपए तक की ग्रांट व दो महीने के प्रशिक्षण का लाभ उठाया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	17.10.22	----	----

एचएयू स्थित एबिक ने पहल व सफल कार्यक्रम की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक बढ़ाई

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर ने छात्रों, उद्यमी व किसानों से बिजनेस आइडिया मांगे हैं जो उनको कृषि व्यवसायी बनाने में अहम रोल अदा कर सकता है। अब एबिक ने पहल व सफल में आवेदन करने की अंतिम तिथि 31अक्तूबर 2022 तक बढ़ा दी है। इसके लिए उम्मीदवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व एबिक की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। यह जानकारी देते हुए एबिक के प्रिंसीपल इनवेस्टीगेटर डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से विद्यार्थी, बेरोजगार युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि इच्छूक उम्मीदवार के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का यह एक सुनहारा अवसर है, जिसे पहल व सफल में आवेदन करके 25 लाख रूपए तक की ग्रांट व दो महीने के प्रशिक्षण का लाभ उठाया जा सकता है। आवेदन से पहले इन बातों का रखें विशेष ध्यान आवेदन की प्रक्रिया निशुल्क होगी। आवेदन करने वाला प्रदेश या फिर निकटवर्ती राज्य का होना जरूरी है, जो हरियाणा में आकर अपना व्यवसाय स्थापित करने का इच्छूक हो। इसके अलावा आवेदन करने वाले का मुख्य आइडिया एग्री बॉयोटैक, बागवानी, जैविक खेती, पशुपालन, मत्स्य पालन, सूक्ष्म सिंचाई, कृषि अभियांत्रिकी, खेती मशीनीकरण, कम खर्च में अधिक उत्पादन, आपूर्ति श्रृखंला प्रबंधन, कटाई व कटाई के बाद की प्रक्रिया, खाद्य प्रक्रिया एवं मूल्य संवर्धन, कृषि में कृत्रिम बुद्धिमता इत्यादि का विशेष ध्यान रखना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	17.10.22	----	----

हिसार : युवा, उद्यमी व किसानों के लिए सुनहरा अवसर, एक आइडिया दिला सकता 25 लाख की ग्रांट

17 Oct 2022 18:11:56

एचएयू स्थित एबिक ने पहल व सफल कार्यक्रम की अंतिम तिथि 31 तक बढ़ाई

हिसार, 17 अक्टूबर (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर ने युवाओं, उद्यमी व किसानों से विभिन्न आइडिया मांगे हैं जो उनको कृषि व्यवसायी बनाने में अहम रोल अदा कर सकता है। अब एबिक ने पहल व सफल में आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। इसके लिए उम्मीदवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व एबिक की वेबसाइट www.hau.ac.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

एबिक के प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर डॉ. राजेश गेरा ने सोमवार को बताया कि इस सेंटर के माध्यम से विद्यार्थी, बेरोजगार युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि इच्छुक उम्मीदवार के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का यह एक सुनहरा अवसर है, जिसे पहल व सफल में आवेदन करके 25 लाख रुपए तक की ग्रांट व दो महीने के प्रशिक्षण का लाभ उठाया जा सकता है।

आवेदन की प्रक्रिया निशुल्क होगी। आवेदन करने वाला प्रदेश या फिर निकटवर्ती राज्य का होना जरूरी है, जो हरियाणा में आकर अपना व्यवसाय स्थापित करने का इच्छुक हो। इसके अलावा आवेदन करने वाले का मुख्य आइडिया एग्री बायोटेक, बागवानी, जैविक खेती, पशुपालन, मत्स्य पालन, सूक्ष्म सिंचाई, कृषि अभियांत्रिकी, खेती मशीनीकरण, कम खर्च में अधिक उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, कटाई व कटाई के बाद की प्रक्रिया, खाद्य प्रक्रिया एवं मूल्य संवर्धन, कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता इत्यादि का विशेष ध्यान रखना होगा।

संबंधित

17 Oct 2022

जींद : सीएम फ्लाइंग ने 20

17 Oct 2022

कैथल: धान के सीजन के

17 Oct 2022

कैथल: सुमीरा देवी सर्वसम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	18-10-22	01	1-5

रिसर्च • एचएयू की पीएचडी स्कॉलर मीनू और सलाहकार डॉ. कविता दुआ ने अपने शोध में पाया

दृष्टिबाधित को भी पड़ता है लाइट से असर, कंट्रास्ट कलर करें यूज, नेचुरल लाइट भी नेत्रहीन के लिए जरूरी

भास्कर न्यूज | हिसार

दृष्टिबाधित को भी प्रकाश से असर पड़ता है। अक्सर यह मान लिया जाता है कि ब्लाइंड पर्सन को प्रकाश हो या अंधेरा कोई फर्क नहीं पड़ता लेकिन ऐसा नहीं है।

एचएयू परिवार संसाधन प्रबंधन विभाग की पीएचडी स्कॉलर मीनू और उनकी सलाहकार डॉ. कविता दुआ ने अपने शोध में यह पाया है कि दृष्टिबाधित पर भी प्रकाश का असर होता है। वे डिजिटल इंडिया में ग्रामीण महिलाओं की जागरूकता और डिजिटल लिटरेसी पर शोध कर रही हैं। दृष्टि हानि के चलते किसी भी व्यक्ति के दैनिक जीवन की सामान्य गतिविधियों को करने की क्षमता को प्रभावित करता है। यह भी प्रचलित मिथक है कि दृष्टि समस्याओं वाले व्यक्ति को प्रकाश की आवश्यकता नहीं होती। शोधार्थी मीनू का कहना है कि ऐसा नहीं है, दृष्टिबाधित द्वारा भी प्रकाश व अंधेरे का अलग-अलग अंशों में पता लगाया जा सकता है। इसलिए घर, वर्क प्लेस आदि जगहों पर दालान, सीढ़ी और प्रवेश द्वार जैसे एरिया में प्रकाश की व्यवस्था बनाए रखी जाए। रोशनी की चकाचौंध भी दृष्टिबाधित को असहज कर सकती है। उनके रिहायश या वर्किंग प्लेस पर प्राकृतिक प्रकाश की भी व्यवस्था होनी चाहिए। घरों में कंट्रास्ट कलर की व्यवस्था हो। फर्नीचर, डोर नॉब्स, दरवाजे और बैकग्राउंड अलग रंग के होने चाहिए। सीढ़ियों के किना विपरीत कलर से रंगे हों।

मामा की बेटी की समस्याएं देख रिसर्च की ठानी

शोधार्थी मीनू के मामा की आठ साल की बेटी नेत्रहीन हैं। उसकी आम जिंदगी में और पढ़ाने में आने वाली समस्याओं को लेकर मीनू ने रिसर्च की ठानी। मामा की बेटी की डेली लाइफ और स्टडी को लेकर भी मीनू ने उस पर रिसर्च किया। जिसमें उसके समक्ष आने वाली समस्याओं को देखा और ब्रेल स्लेट और टाइपराइटर आदि चीजों का इस्तेमाल कर उनको सिखाने के प्रयास को भी चेक किया गया।

आईटी कर सकती है नेत्रहीन की मदद

मीनू ने रिसर्च में पाया कि नेत्रहीन लो कंप्यूटर, सेलफोन और इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों का आसानी से इस्तेमाल कर सकते हैं। आईटी जैसे स्क्रीन रीडिंग सॉफ्टवेयर, टॉकिंग और ब्रेल डिवाइस उनके लिए उपयोगी होती है। नेत्रहीन बच्चों को पढ़ाने के लिए भी प्रोद्योगिकी काम आ सकती है। जिसमें ब्रेल स्लेट और स्टाइलस, ब्रेल टाइपराइटर, ब्रेल इलेक्ट्रोनिक नोट टेकर, लिक्विड लेवल सेंसर और टॉकिंग वॉच आदि उपयोगी प्रोद्योगिकी हैं।

पढ़ाने और कार्य क्षमता बढ़ाने को करें ब्रेल स्लेट